^^fp=k eqn~xy dh dgkfu;ksa esa ukjh laosnuk ,oa thou la?k"kZ % ,d v/;;u**

राँची विश्वविद्यालय, राँची से पीएच० डी० mikf/k gsrq
iLrkfor 'kks/k izc/k dh :ijs[kk

मानविकी संकाय

हिन्दी विभाग
2024

'kks/k funsZf'kdk

डॉ० मंजुलाल
सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग
डोरण्डा कॉलेज, राँची
राँची विश्वविद्यालय, राँची

'kks/kkFkhZ

dqlqe c.kokj
राँची विश्वविद्यालय, राँची
मो० : 8969022263

^^fp=k eqn~xy dh dgkfu;ksa esa ukjh laosnuk ,oa thou la?k"kZ % ,d v/;;u**

1- 'kks/k fo"k; dk ifjp;@iLrkouk@Hkwfedk %

चित्रा मुद्गल एक भारतीय लेखिका और आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों में से एक है। 10 दिसंबर 1944 को चेन्नई में जन्मी और मुंबई मे शिक्षित चित्राजी आधुनिक भारतीय साहित्य में एक समादृत नाम है। उन्हें प्राप्त अनेक सम्मान पुरस्कार में अंतर्राष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान, व्यास सम्मान, साहित्यकार सम्मान, फणीश्वरनाथ रेणु सम्मान, विदुला सम्मान, शिखर सम्मान आदि भी शामिल है।

चित्रा मुद्गल जी ने नारी समस्या को ही अधिक उभारी है। इनकी कहानी में केवल नारी को आगे बढ़ने की प्रेरणा ही नहीं उनको आत्मनिर्भर जीवन जीने, आत्मसंघर्ष करने आदि पर भी जोर दिया है। स्त्री–पुरूष संबंधी, विवाह जैसे सामाजिक परंपरा और स्त्री के व्यक्तित्व के विकास से जुड़ी तमाम समस्याएँ उनकी चिंता का विषय बनी हुई है। चित्रा जी ने सामाजिक, आर्थिक और मानवीय अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले विविध समुदायों, विशेषकर महिलाओं, श्रमिकों, दलितों और वंचितों व उपेक्षित बुजुर्गों के बीच रह कर उनके न्यायिक अधिकारों के लिए काम किया। 'हथियार' कहानी एक महत्वपूर्ण कहानी हैं जिसमें समकालीन समाज में माता–पिता के संबंधों में आ जाने वाले अलगाव के कारण उनकी संतान के मानसिक द्वंद्व को दिखाया गया है। 'भूख' कहानी एक अत्यंत संवेदनात्मक विषय पाठकों के समक्ष रखती है। गरीबी की मार से पीड़ित महिला अपनी भूख के आगे इतना विवश हो जाती है कि अपने एक

शिशु को आमदनी के लिए साधन स्वरूप उपयोग में लेने लगी है। 'अपनी वापसी' एक प्रौढ़ महिला की मानसिक द्वंद्व की कहानी। 'सौंदा' कहानी में एक स्त्री होकर किसी स्त्री के दुर्भाग्य में साझेदारी का वर्णन है। 'तकिया' कहानी में एक कामकाजी महिला अपने बच्चे का पालन–पोषण की समस्या को पूरी तन्मयता से जिम्मेदारी को दिखाया गया है।

इस तरह से हम देखते हैं कि चित्रा जी की कहानी में जहाँ एक ओर नारी संवेदना का चित्रण होता है, वहीं दूसरी ओर नए जमाने की रफ्तार में फंसी जिंदगी की मजबूरियों का चित्रण हैं। इनकी कहानी में नारी समस्या, पारिवारिक समस्या, सामाजिक समस्या आदि की अभिव्यक्ति है।

2- 'kks/k dk;l dh ikDdYiuk@iszj.kk %

समकालीन महिला कहानिकारों में चित्रा जी रचना जगत में स्त्री अस्मिता की स्थापना के लिए संघर्षरत लेखिका के रूप में नजर आती है। उनके चिंतन और संवेदना के केंन्द्र में नारी की व्यथा और संघर्ष है। उन्होंने नारी को स्वावलंबी बनाने पर बल दिया है तभी नारी खुलकर स्वतंत्र रूप से जीवन जी सकती है। उनकी कहानियाँ सामाजिक परंपराओं तथा रूढ़ियों पर तेज प्रहार करने के साथ–साथ समाज में फैला शोषण, समाज में स्त्री की मानसिकता, पुरूषों का स्त्री को लेकर प्रकाश में आता दोहरा चरित्र, स्त्री जीवन की अपनी समस्याएँ आदि कई आयामों को छूती और व्यक्त करती है।

चित्रा जी की कहानियों से मैं विश्वविद्यालय की पढ़ाई के दौरान से ही मैं काफी प्रभावित रही हूँ। उनकी रचनाओं में चित्रित नारी स्वतंत्र रूप से अपनी सार्थकता की तलाश कर रही है। इन कहानियों के माध्यम से स्त्री–जीवन की यथार्थ स्थिति को समझने की प्रेरणा मिली। अतः मेरी इच्छा हुई की अध्येता से शोधार्थी बनूँ तथा इनकी कहानियों पर शोध करूँ। जब इस संदर्भ में मैंने अपनी शोध निर्देशिका से परिचर्चा की तो उन्होंने भी उक्त विषय पर शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया, जिससे मुझे शोध कार्य करने का उत्साह मिला। साहित्यक महत्व एवं उपयोगिता की दृष्टि से यह विषय विशिष्ट है तथा शोध हेतु उपयुक्त मालूम होता है।

3- 'kks/k dk mís'; %

इस शोध को पूरा करने के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों को सिद्ध करने की संभावनाएँ है–

क) नारियों की प्रगति और उनमें आत्मविश्वास का संचार करना।

ख) नारी समाज में व्याप्त पीड़ा एवं शोषण को समाप्त करना।

ग) गरीबी से एक नारी की संवेदनाशीलता को टूटने से रोकना।

घ) नारी को शिक्षित करें ताकि अपने अधिकारों के लिए लड़े।

ङ) नारी वर्ग को आत्मनिर्भर तथा आत्मसंघर्षी बनाना।

च) नारी समाज में नारी की मानसिकता को बदलना।

4- iwoZ v/;;u ,oa 'kks/k dk;Z%

साहित्यकार चित्रा मुद्‌गल जी के कथा साहित्य पर अनेक विश्वविद्यालय पर शोध हुए है। पाठ्‌यक्रम की पुस्तकों में भी इनका साहित्य शामिल किया गया है।

क. चित्रा मुद्‌गल के कथा–साहित्य में महानगरीय बोध, निर्देशक– डॉ0 सुमन शर्मा, शोधार्थी सोनिया यादव, 2022

ख. चित्रा मुद्‌गल का कहानी साहित्य : एक अनुशीलन, निर्देशक– डॉ0 स्मिता सी. पटेल, शोधार्थी रिध्धि एम. शाह, 2015

5- lkfgR; voyksdu%

चित्रा जी नारी की समस्याओं को बड़ी गहराई के साथ प्रस्तुत की है। इनकी कहानियों में नारी की संवेदनशीलता एवं संघर्षशीलता को दिखाया गया हैं। माता–पिता के आपसी अलगाव से बच्चे का बिखरना दिखाया गया है। उनकी कहानियों का विषय समाज में उपस्थित प्रत्येक उच्च, निम्न व मध्यवर्गीय शोषक शोषित वर्ग है।

6- 'kks/k fo"k; dh izklafxdrk%

चित्रा मुद्‌गल जी का कथा साहित्य समाज के दर्पण के समान जान पड़ता है जो हम सबके जीवन के निकट रहती व लिखती आयी है, जिन्होंने अपनी कथा की प्रासंगिकता को स्वयं सिद्ध किया है। चित्रा मुद्‌गल के चिंतन

और संवेदना के केन्द्र में नारी की व्यथा और संघर्ष हैं। चित्रा जी के साहित्य में नारी के विविध रूप अनेक कोणों से रूपायित होती है। अपनी रचनाओं के जरियें परंपरा और परिवेश से जुड़ती और कटती नारी की इकाई को विभिन्न कोणों से देखने का और आंतरिक छटपटाहट को पकड़ने का प्रयास करती है। मध्यवर्गीय स्त्री की सोच में आज भी विशेष परिवर्तन नहीं दिखाई पड़ता, इन सभी दृष्टियों से यह शोध विषय प्रासंगिक जान पड़ता है।

7 'kks/k dk;Z dk egRo %

गद्य साहित्य की कहानी विधा अभिव्यक्ति के एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरी है, जो समाज को अपनी ओर आकर्षित करती है। कहानी में स्त्री के सम्पूर्ण चरित्र का विकास बहुत ही मार्मिकता से किया जा सकता है। स्त्री को सृजन की शक्ति माना जाता है। अर्थात् स्त्री से ही मानव जाति का अस्तित्व माना गया है। स्त्री जितना दुःख सहन कर लेती है पुरूष कभी नहीं कर पाऐगा क्योंकि स्त्री त्याग की मूर्ति हैं। चित्रा जी का मानना है कि यदि पुरा समाज एकजुट होकर उनके हित के लिए सोचें तो कभी भी समाज से अलग दर्जा नहीं दिया जाएगा। नारी की प्रगति ही देश की प्रगति व विकास में सहयोग करेगी।

8- 'kks/k dk;Z dh v/;;u i)fr@iz.kkyh@vfHkdYi %

क) सर्वेक्षण विधि

ख) लेखों/आलेखों अध्ययन से

ग) सहायक सामग्री, पुस्तकालय अवलोकन

घ)   आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक पद्धति

ङ)   पुस्तकावलोकन

च)   इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री

9- 'kks/k dk;Z KkufoLrkj esa i;ksx@iz{; %

चित्रा जी ने नारी पर ही अधिकतर चिंतन मनन किया है। नारी की दयनीय दशा को देखकर चित्रा जी चाहती है कि हर एक नारी को अपना एक अधिकार मिले जिससे नारी के सामाजिक, आर्थिक, परिवारिक एवं स्त्री–पुरूष संबंधी तमाम समस्याओं का गहराई से विश्लेषण प्रस्तुत किया हैं। जिसे आज की नारी झेल रही हैं। चित्रा जी ने अपने आस–पास हो रहे नारी के शोषण को ही अपने कहानी में यथावत दर्शाया गया है।

इसलिए इस विषय पर हुआ शोध कार्य ज्ञान विस्तार में सहायक ही होगा।

10- Hkfo"; esa 'kks/k dk;Z gksus dh lEHkkouk,¡ %

मेरा यह शोध कार्य अंतिम नहीं है। चित्रा जी के कहानियों में नारी संवेदना एवं उनकी जीवन संघर्ष के साथ–साथ मानव समस्या को दिखाया गया है। नारी को दबाव में रखना सदियों से चलता आ रहा है जिसके कारण नारी स्वतंत्र होकर जीवन जी नहीं पाती है लेकिन इस शोध में मेरा यह उद्देश्य रहेगा कि नारी आत्मनिर्भर आत्मसंघर्षी एवं स्वावलंबी बने। मेरे शोध कार्य का उद्देश्य रहेगा और मेरे सहयोगियों एवं भविष्य के अन्य शोधकर्त्ताओं के लिए प्रेरणा अवश्य बनेगा।

11- 'kks/k dh lhek,¡@v/;k; %

izFke v/;k; % dgkuh lkfgR; dk mnHko vkSj fodkl

क) प्रेमचंद पूर्व युग की कहानियाँ

ख) प्रेमचंद युग हिन्दी कहानियाँ

ग) प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानियाँ

घ) समकालीन हिन्दी कहानियाँ

f}rh; v/;k; % fp=k th dk O;fDrRo ,oa d`frRo

क) चित्रा मुद्गल का जीवन परिचय

ख) चित्रा मुद्गल का रचना संसार

ग) चित्रा मुद्गल के पुरस्कार एवं सम्मान

r`rh; v/;k; % fp=k eqn~xy dh dgkfu;ksa esa ukjh laosnuk

क) नारी संवेदना का अर्थ एवं स्वरूप

ख) नारी शोषण की समस्या

ग) संवेदनशील नारी की प्रासंगिकता वर्तमान युग के संदर्भ में

prqFkZ v/;k; % fp=k eqn~xy dh dgkfu;ksa esa ukjh dk thou la?k"kZ

क) चित्रा मुद्गल की कहानियों में नारी का नारकीय संघर्ष

ख) चित्रा मुद्गल की कहानियों में चित्रित संघर्षशील प्रमुख पात्र एवं गौण पात्र

ग) चित्रा मुद्गल जी के समकालीन कहानीकारों में नारी संघर्ष

iape v/;k; % fp=k eqnxy th dh dgkfu;ksa dh Hkk"kk 'kSyh ,oa f'kYi fodkl

क) चित्रा मुद्गल की कहानियों में भाषागत विशेषताएँ

ख) ठेठ गंवई बोली, देशज–विदेशज, अंग्रेजी भाषा का प्रयोग

ग) मुहाबरे एवं लोकोक्तियों का स्वाभाविक प्रयोग विधान।

घ) प्रतीकों का प्रयोग

milagkj

xzaFk lwph %

क) आधार ग्रंथ सूची

ख) सहायक ग्रंथ सूची

uksV % अत्यावश्क होने पर विषय सूची में आंशिक परिवर्तन संभव है।

vk/kkj xzaFk lwph

1. चित्रा मुद्गल – भूख, प्रभात प्रकाशन आसफ अली रोड, 2011
2. चित्रा मुद्गल – अपनी वापसी, संभावना प्रकाशन, हापुड़, 1983
3. चित्रा मुद्गल – आवाँ, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण, 1996
4. चित्रा मुद्गल – जिनावर, किताब घर प्रकाशन नई दिल्ली–2, 1996
5. चित्रा मुद्गल – जगदम्बा बाबु गाँव आ रहे हैं, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली, दरियागंज, 1992
6. चित्रा मुद्गल – लाक्षागृह, पराग प्रकाशन नई दिल्ली, 1982
7. चित्रा मुद्गल – जंगल, नेशनल बुक ट्रस्ट भारत, संस्करण, 2019
8. चित्रा मुद्गल – पोस्ट बॉक्स नं0 203 नाला सोपरा, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण, 2022
9. चित्रा मुद्गल – बयान, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
10. चित्रा मुद्गल – पेंटिग अकेली है, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
11. चित्रा मुद्गल – लपटें, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003

lgk;d xzFk lwph

1. अलका प्रकाश – नारी चेतना के आयाम, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
2. डॉ० इन्द्रनाथ मदान – हिन्दी कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण, 1978
3. डॉ० ओम प्रकाश शर्मा – समकालीन महिला लेखन, वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. राजेन्द्र यादव – कहानी स्वरूप और संवेदना, नई दिल्ली, 1969
5. चित्रा मुद्‌गल – चर्चित कहानियाँ, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
6. राजेन्द्र यादव – आदमी की निगाह में औरत, राजकमल प्रकाशन, 2007
7. नामवर सिंह – कहानी : नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, 2016
8. डॉ० ऋषभ देव शर्मा – स्त्री सशक्तिकरण के विविध आयाम, गीता प्रकाशन, 2012
9. डॉ० नगेन्द्र एवं डॉ० हर दयाल – हिन्दी साहित्य का इतिहास मयूर बुक्स, नई दिल्ली, 2018
10. राधा कुमार – स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, 2011
11. उमा शुक्ल – भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, लोकभारती, प्रकाशन, 2007

iqLrdky; %

1) पुस्तकालय सेंट्रल लाइब्रेरी मोराबादी, राँची
2) इन्टरनेशनल लाइब्रेरी क्लब रोड, राँची

i=&if=dk,¡%

1. समीक्षा – सत्यकाम, पटना, 1967
2. नई कहानी पत्रिका – भैरव प्रसाद गुप्त, नई दिल्ली, 1956
3. वर्तमान साहित्य – विभूति नारायण राय, इलाहाबाद, 1984
4. हंस – अक्षर प्रकाशन, दिल्ली, 1986
5. सारिका – मधुरेश, 01 जुलाई 1983
6. आजकल – प्रवीन कुमार उपाध्याय, दिल्ली, 1945
7. अनुसंधान (त्रैमासिक शोध पत्रिका), 12 जुलाई 2015
8. शब्द ब्रह्म – अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
9. नया ज्ञानोदय – रवीन्द्र कालिया
10. पहल पत्रिका – ज्ञानरंजन
11. www. शोध गंगा
12. www. गध साहित्य

oc lkexzh%

इसमें दस्तावेज, डेटा, एप्लिकेशन, ई–सेवाएँ, चित्र, ऑडियो और वीडियो फाइलें व्यक्तिगत वेब पेज, संग्रहित ई–मेल संदेश शामिल है।

fVIi.kh%

उपर्युक्त तथ्य प्रथम एवं अंतिम नहीं है।

'kks/k funsZf'kdk dk gLrk{kj   'kks/k Nk=k dk gLrk{kj